भारत सरकार

वस्त्र मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1985

29 अगस्त, 2012 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र उद्योग के लिए ऋण पुनर्निर्धारण पैकेज

1985. श्री बैष्णव परिडा:

क्या **वस्त्र मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वस्त्र उद्योग क्षेत्र के लिए ऋणों के पुनर्निर्धारण हेतु किसी पैकेज को मंजूरी प्रदान की है;

(ख) क्या देश में उक्त क्षेत्र को अत्यधिक बेरोजगारी और तालाबंदी का सामना करना पड़ रहा है;

(ग) क्या ऐसे ही किसी पैकेज की घोषणा विभिन्न राज्यों में स्थित हथकरघा उद्योग के लिए भी की गई है; और

(घ) यदि हां, तो उक्त योजना के अधीन ओडिशा के हथकरघा उद्योग को अभी तक मंजूर किए गए पैकेज को दर्शाने वाले विवरण के साथ-साथ तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती पनबाका लक्ष्मी)

(क): जी, हां । सरकार ने बैंकों द्वारा अग्रिमों के पुनर्गठन के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के विवेकपूर्ण दिशा-निर्देशों के अनुसार अलग-अलग मामले के आधार पर वस्त्र उद्योग के ऋणों के पुनर्गठन हेतु बैंकों को निदेश जारी किए हैं ।

(ख): वर्ष 2008-09, 2009-10, 2010-11 तथा 2011-12 के दौरान 150 वस्त्र मिलें बंद हुई थी । इस उद्योग में रुग्णता/बंद होने के विभिन्न बाह्य और आंतरिक मुख्य कारण हो सकते हैं जिसमें फालतू क्षमता, आधुनिकीकरण के अभाव के कारण मशीन और श्रमिक, दोनों की कम उत्पादकता, निराशाजनक प्रबंधन, स्थिर मांग और निर्यात बाजार तक पहुंच बनाने में उनकी (रुग्ण इकाईयों की) की असमर्थता, उभरते हुए क्षेत्रों में उपस्थिति दर्ज कराने में

विफलता, आदानों विशेष रूप से श्रम और बिजली की लागत में वृद्धि, समय पर और पर्याप्त कार्यशील पूंजी वित्त प्राप्त करने में कठिनाईयां, असंगत वित्तीय कर, आंतरिक कारक आदि शामिल हैं ।

(ग) और (घ) : सरकार ने 3884 करोड़ रु. के वित्तीय परिव्यय के साथ "हथकरघा क्षेत्र के लिए पुनरुद्धार सुधार और पुनर्गठन पैकेज" अनुमोदित किया है । इस पैकेज का उद्देश्य 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार व्यवहार्य एवं संभावित व्यवहार्य हथकरघा सहकारी समितियों और हथकरघा प्रयोजनों के लिए व्यक्तिगत हथकरघा बुनकरों के बकाया ऋण को माफ करना तथा उन्हें 3% की दर से ब्याज सहायता और 3 वर्ष के लिए ऋण गारंटी के साथ सहायता प्राप्त ब्याज दरों पर नया ऋण प्रदान करना है । हथकरघा बुनकरों के लिए इस पैकेज की घोषणा उड़ीसा सहित देश के विभिन्न राज्यों में की गई है।